1955

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

मधुकरश

2020-22

A

सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय

ब्यावर (अजमेर)

मधुकशा

2020-22

A

सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय

ब्यावर (अजमेर)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलोर–द्वारा
प्रदत्त ए(A) स्तरीय
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली का स्वायत्त संस्थान)

फार्म 4 नियम 9

प्रकाशन का स्थान	:	ब्यावर
प्रकाशन का प्रकार	:	वार्षिक
प्रकाशक का नाम	:	डॉ. अरूणा गुप्ता
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	प्राचार्य, सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर
प्रधान सम्पादक	:	डॉ. वीना सोनी
पता	:	सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर
मुद्रक का नाम	:	गोकुल ट्रेडिंग कम्पनी, ब्यावर
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	ब्यावर

हिन्दी अनुभाग – अनुक्रमणिका

			पेज
1. केश	–	डॉ. वीना सोनी , हिन्दी (विभागाध्यक्ष)	11
2. प्रीत	–	डॉ. वीना सोनी , हिन्दी (विभागाध्यक्ष)	11
3. सावन	–	डॉ. वीना सोनी , हिन्दी (विभागाध्यक्ष)	12
4. आशा की ओर	–	डॉ. सुलक्ष्मी तोषनीवाल- व्यावसायिक प्रशासन विभाग (विभागाध्यक्ष)	13
5. खुश रहो मुस्कराया करो	–	माधुरी - बी.ए. तृतीय वर्ष	15
6. प्रकृति अपना प्रेम लुटाए	–	चन्दन मेहरा - बी.ए. प्रथम वर्ष	16
7. भारतीय सेना	–	डोली बालोटिया - बी.ए. द्वितीय वर्ष	17
8. बेटियों का दर्द	–	डोली बालोटिया - बी.ए. द्वितीय वर्ष	18
9. जरूरी है	–	अंशुल जैन - बी.ए. द्वितीय वर्ष	19
10. प्रकृति की हो रही सूनी गोद	–	युवराज सिंह - बी.ए. प्रथम वर्ष	20
11. पतझड़	–	चेतन सेन - एम.ए. फाइनल (संगीत)	21
12 बुरा वक्त	–	हिमांशी मेवाड़ा - बी.ए. द्वितीय वर्ष	22
13 देखो-देखो बसंत ऋतु आई	–	सुनिल जयपाल - बी.ए. प्रथम वर्ष	23
14 अ से ज्ञ	–	निकिता देवल - बी.ए. द्वितीय वर्ष	24
15 जिंदगी	–	दीपक कुमावत - बी.ए. तृतीय वर्ष	25
16 नारी का सम्मान करो	–	दीपक कुमावत - बी.ए. तृतीय वर्ष	26

			पेज
17	माँ की ममता	दीपक कुमावत - बी.ए. तृतीय वर्ष	27
18	जीवन	संजु पटेल - बी.ए. तृतीय वर्ष	28
19	उदास न हो	संजु पटेल - बी.ए. तृतीय वर्ष	29
20	एक पल	अक्षय - बी.ए. द्वितीय वर्ष	30
21	शाम सुहानी	अक्षय - बी.ए. द्वितीय वर्ष	31
22	हमारा अपराध '2020'	दीपल बाकोलिया - बी.एस.सी. प्रथम वर्ष	32
23	शिक्षक एक भविष्य का निर्माता	दीपल बाकोलिया - बी.एस.सी. प्रथम वर्ष	33
24	जीत जायेंगे	श्वेता परिहार - बी.ए. द्वितीय वर्ष	34
25	बैराटगढ़ (बदनौर) और मेर समुदाय	जलालुद्दीन काठात - सह आचार्य इतिहास	35
26	महिला सशक्तिकरण में सहायक- शिक्षा व उद्यमिता	डॉ. सुलक्ष्मी तोषनीवाल व्यावसायिक प्रशासन विभाग (विभागाध्यक्ष)	4
27	कोविड 19 के दौरान पुनः स्थापित होती भारतीय संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण	योगिता वैष्णव - बी.ए. प्रथम वर्ष (भूगोल ऑनर्स)	
28	उपन्यासकार मनु शर्मा	बलराम बालोटिया - हिन्दी विभाग (शोधार्थी)	
29	दुनिया का अन्त की ओर बढ़ना	पिन्टू प्रजापत - एम.ए. इतिहास (पू)	
30	महाकवि भूषण	दिव्या कुमावत - बी.ए. द्वितीय वर्ष	

संस्कृत अनुभाग – अनुक्रमणिका

			पेज
1. संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्	–	मोनिका सेन - एम.ए. (पूर्वार्द्ध) संस्कृत	61
2. महाकविः कालिदासः	-	अल्पना चौहान - एम.ए. (उत्तरार्द्ध) संस्कृत	64
3. महर्षि-वाल्मीकेः जीवन-परिचयः	-	दिव्या कुमावत - बी.ए. द्वितीय वर्ष	65
4. महाकविः (कालिदासः)	-	उर्मिला - बी.ए. द्वितीय वर्ष	68
5. श्री भर्तृहरिकृत (नीतिशतकम्)	-	अल्पना चौहान - एम.ए. (उत्तरार्द्ध) संस्कृत	70
6. श्रीमद्भगवद् गीतायाः द्वितीयाध्यायाद् उद्धृता	-	राकेश चेन्नाल - एम.ए. (उत्तरार्द्ध) संस्कृत	72
7. सूक्तमः	-	योग्यता - एम.ए. (उत्तरार्द्ध) संस्कृत	73

Index

				Page
1.	Income Tax : Get Updated	-	Dr. Mahima Gupta Assistant Prof. ABST	77
2.	Who are We ?	-	Ambika Gehlot Assistant Prof. English	81
3.		-	Anshu Jain (B.A. Part IInd)	83
4.	Pain	-	Hiresh kumar Bohara (B.A.English .Part IInd)	84
5.	Light Shining Out of Drakness -William Cowper	-	Ambika Gehlot Assistant Prof. English	85
6.	Character Sketch of Beau Tibbs-		Divya Surawat (B.A.English Part Ist)	86
7.	Amazing Facts of Zoology	-	Sunil Khathat M.Sc. (F) Zoology	88
8.	Antibiotics Resistance	-	Suraj Singh M.Sc. (F) Zoology	89
9.	Time Management	-	Vinita Kumari (B.A.English Part Ist)	91
10.	Writing Style of Shakespeare	-	Avleen Kaur (B.A.English Part Ist)	92
11.	Alexander's Feast	-	Amanpreet Singh (B.A.English Part Ist)	95
12.	A Body Without Soul	-	Divya Surawat (B.A. Technology Part Ist)	97
13.	Importance of Education in Society	-	Pushpa Sencha (B.A.English Part Ist)	98
14.	My Money, My Voice: The Importance of a Woman Being Financially Independent	-	Avleen Kaur (B.A.English Part Ist)	99

प्राचार्य की कलम से...

समय निरन्तर निर्बाध रूप से गतिशील है। इसी महाविद्यालय में अध्ययन, अध्यापन एवं वर्तमान में प्राचार्य पदानुसार दायित्वों का निर्वहन, अत्यन्त ही सुखद अनुभव रहा है। व्यक्तिगत रूप से मेरा इस महाविद्यालय से घनिष्ठ संबंध रहा है। मैं इसके एक दीर्घ कालावधि की साक्षी एवं सहभागी रही हूँ अतः ''मधुकशा'' के लिए संदेश लिखते हुए हृदय एक अकथनीय आनन्द की अनुभूति से अभिसिंचित हो रहा है।

सभ्य एवं सुसंस्कृत व्यक्ति के लिए शिक्षा का अत्यधिक महत्व है। शिक्षा व्यक्ति को विवेकशील बनाती है। कहा भी गया है कि जिस व्यक्ति के पास स्वयं का विवेक नहीं, शास्त्र भी उसका क्या करेंगें- ''शिक्षा न केवल व्यक्तित्व का सर्वांगींण विकास करती है वरन सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी करती है।'' इस प्रकार शिक्षा श्रेष्ठ समाज की नींव है।

हमारा महाविद्यालय समाज की अपेक्षानुरूप विद्यार्थियों को सुशिक्षित, संस्कारित और पूर्ण जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए दृढ़ संकल्प है। इसी उद्यम के क्रम में ''मधुकशा'' पत्रिका का प्रकाशन समस्त महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। ''मधुकशा'' पत्रिका न केवल सम्प्रेषण का सेतु निर्मित करेगी वरन विद्यार्थियों में सृजनात्मकता का संचार करते हुए उन्हें पूर्ण बोधयुक्त, विवेकशील नागरिक बनाने में भी पूर्णरूपेण सक्षम होगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

''मधुकशा'' पत्रिका का मधु विद्यार्थियों में सर्वत्र फैले एवं उसकी नैसर्गिक मिठास सब में समाहित हो। नवयुवा सुसंगठित होकर उत्कृष्ट अभिलाषा की ओर निरन्तर प्रयाण कर महाविद्यालय को गौरवान्वित करें।

''मधुकशा'' पत्रिका के सम्पादन में तत्पर सम्पादक मण्डल साधुवाद के पात्र हैं, जिनके सद्प्रयासों से यहां के विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति का एक औपचारिक माध्यम प्राप्त हो रहा है। विद्यार्थी इसका लाभ उठाएं। महाविद्यालय जीवन के ये वर्ष आपके भविष्य की दिशा भी निर्धारित करते हैं। यदि आप समाज का सदुपयोग करते हैं तो यह आपको कल लाभकारी परिणाम देगा। समय बहुमूल्य है इसे व्यर्थ न जाने दें। अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ते जाइये, यदि आप कर्म करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी क्योंकि ईश्वर कर्मशील व्यक्तियों को अवश्य पुरस्कृत करता है।

नहि ज्ञानेन संदृश, पवित्र मिह विद्येन।
तत्स्वयं योग ससिद्धः, कालेनात्मनि विन्दति।।

डॉ. अरुणा गुप्ता
प्राचार्य

महाविद्यालय मुख्य द्वार

महाविद्यालय कार्यालय

मुद्रक : गोकुल टेडिंग कम्पनी, ब्यावर मो. 8005619141